The Uttar Pradesh Prohibition of Smoking (Cinema Houses) (Repeal) Act, 2021

Act No. 05 of 1978

Keywords:

to repeal the Uttar Pradesh Prohibition of Smoking (Cinema Houses) Act, 1952 as it has become irrelevant

DISCLAIMER: This document is being furnished to you for your information by PRS Legislative Research (PRS). The contents of this document have been obtained from sources PRS believes to be reliable. These contents have not been independently verified, and PRS makes no representation or warranty as to the accuracy, completeness or correctness. In some cases the Principal Act and/or Amendment Act may not be available. Principal Acts may or may not include subsequent amendments. For authoritative text, please contact the relevant state department concerned or refer to the latest government publication or the gazette notification. Any person using this material should take their own professional and legal advice before acting on any information contained in this document. PRS or any persons connected with it do not accept any liability arising from the use of this document. PRS or any persons connected with it shall not be in any way responsible for any loss, damage, or distress to any person on account of any action taken or not taken on the basis of this document.
सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश
उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिषिप्त
भाग—1, खण्ड (क)
(उत्तर प्रदेश अधिनियम)

लखनऊ, मंगलवार, 24 अगस्त, 2021
भाद्रपद 2, 1943 शक सम्बत्

उत्तर प्रदेश शासन
विधायी अनुभाग—1

संख्या 796/79-वि-1—21-1-क-21-21
लखनऊ, 24 अगस्त, 2021

अधिसूचना

"भारत का संविधान" के अनुसार 200 के अधीन श्री राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश धूम्रपान नियोक (सिनेमा घर) (निरसन) विवेचन, 2021 जिससे राज्य कर अनुमान—6 प्रशासनिक रूप से सम्बन्धित है, पर दिनांक 24 अगस्त, 2021 को अनुमान प्रदान की और यह उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 24 जन्त्र 2021 के रूप में सर्वसाधारण की सुचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश धूम्रपान नियोक (सिनेमा घर) (निरसन) अधिनियम, 2021
(उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 24 जन्त्र 2021)
[जैसा उत्तर प्रदेश विधान मंडल द्वारा पारित हुआ]

उत्तर प्रदेश धूम्रपान नियोक (सिनेमा घर) अधिनियम, 1952, जैसा कि यह असंगत हो चुका है, का निरसन करने के लिए

अधिनियम

भारत गणराज्य के बहतरवर्ष वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है:—

1—यह अधिनियम उत्तर प्रदेश धूम्रपान नियोक (सिनेमा घर) (निरसन) संशोधन नाम अधिनियम, 2021 का हो जायेगा।

261_RPH_vidhaika -21 Adhiniyam folder _(Dhoonrapaan )-2021 Data-4E
उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 30 रज. 1952 का 
निरस्त्र किया जाता है।

3—तथापि उत्तर प्रदेश धृष्टपाल निषेध (सिनेमा घर) अधिनियम, 1952 का 
निरस्त्र किये जाने से—

(क) ऐसी किसी अन्य अधिनियमित पर प्रभाव नहीं पड़ेगा, जिसमें 
निरस्त्र अधिनियमित लाभ की गयी हो, सम्भिलत की गयी हो या उससे 
निर्दिष्ट हो;

(ख) पहले से कृत या ग्रांत किसी बात अथवा पहले से अर्जित, प्रदान 
या उपगत किसी अधिकार, हक, बाध्यता या दायित्व अथवा तत्त्वात्मक किसी 
उपाय या कार्यवाही अथवा पहले से स्वीकृत किसी ऋण, शासन, बाध्यता, 
दायित्व, दायां आदि या शासित प्रकृति के या या किसी प्रकार के निर्माण या 
उप्रामण अथवा किसी पूर्व कार्य या बात के प्रमाण की विभिन्नता, 
अन्वेषणता, अथवा या परिणाम पर प्रभाव नहीं पड़ेगा;

(ग) इस बात के होते हुए किसी सिद्धान्त या विचि का नियम या 
स्पष्टतिः अधिकारिता, अभिव्यक्ति, पद्धति या प्रक्रिया का प्रारूप या प्रक्रिम अथवा 
विपणन प्रयोग, रूप, विशेषाधिकार, निर्वंचन, छूट, पद या नियुक्ति पर प्रभाव 
नहीं पड़ेगा कि एतत्वात्मक निरस्त्र किसी अधिनियमित द्वारा, में या से उनकी 
क्रमश: किसी रीति से अभिप्रौद्य कर ली गयी होगी या उन्हें सामान्यता प्रदान 
कर दिया गया होगा या उन्हें व्युत्पन्न कर लिया गया होगा;

(घ) कोई अधिकारिता, पद, रूप, दायित्व, अधिकार, हक, विशेषाधिकार, 
निर्वंचन, छूट, प्रथा, पद्धति, प्रक्रिया अथवा समस्ति अविभिन्नता या अनुभव 
कोई अन्य विषय या बात पुन: प्रयत्निति या प्रत्यावर्तिति नहीं होगे।

उद्देश्य और कारण

उत्तर प्रदेश धृष्टपाल निषेध (सिनेमा घर) अधिनियम, 1952 उत्तर प्रदेश में रहित सिनेमाघरों में 
धृष्टपाल निषिद्ध करने हेतु अधिनियमित किया गया है। यह अवलोकित किया गया है कि सिनेमयों और अन्य 
तमाम उद्यान (विपणन का प्रतिस्थापन और व्यापार तथा वाणिज्य, उद्यान, प्रदाय और निर्माण का विनियम) 
अधिनियम, 2003 और उत्तर प्रदेश चलचित्र नियमावली, 1951 के नियम 20 में मल्टीप्लेक्सों और 
सिनेमाघरों में धृष्टपाल निषिद्ध करने के पथर पদवल को अपवल कहा है।

उपरोक्त को दृष्टिगत रखते हुए व्यापार समस्या में पूर्वांक्त अधिनियम, 1952 की कोई प्रामाणिता 
एवं उपयोगिता नहीं रह गयी है। अतः उत्तर प्रदेश धृष्टपाल निषेध (सिनेमाघर) अधिनियम, 1952 को 
निरस्त्र करने का विनियमित किया गया है।

तदनुसार उत्तर प्रदेश धृष्टपाल निषेध (सिनेमा घर) (निरस्त्र) विधेयक, 2021 पुर:स्थापित किया 
जाता है।

आज्ञा से,
अतुल श्रीवास्तव,
प्रमुख सचिव।

261_RPH_vidhaika -21 Adhiniyam folder -(Dhoonrpaan )-2021 Data-4E
In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Dhoomrapaan Nishedh (Cinema Ghar) (Nirsan) Adhiniyam, 2021 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 24 of 2021) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on August 24, 2021. The Rajya Kar Anubhag-6 is administratively concerned with the said Adhiniyam.

THE UTTAR PRADESH PROHIBITION OF SMOKING (CINEMA HOUSES) (REPEAL) ACT, 2021
(U.P. Act no. 24 of 2021)
[As passed by the Uttar Pradesh Legislature]

AN ACT
to repeal the Uttar Pradesh Prohibition of Smoking (Cinema Houses) Act, 1952 as it has become irrelevant.

IT IS HEREBY enacted in the Seventy second Year of the Republic of India as follows:—

1. This Act may be called the Uttar Pradesh Prohibition of Smoking (Cinema Houses) (Repeal) Act, 2021.

2. The Uttar Pradesh Prohibition of Smoking (Cinema Houses) Act, 1952 is hereby repealed.

3. The repeal of the Uttar Pradesh Prohibition of Smoking (Cinema Houses) Act, 1952 shall, however, not,—

(a) affect any other enactment in which the repealed enactment has been applied, incorporated or referred to;

(b) affect the validity, invalidity, effect or consequences of anything already done or suffered, or any right, title, obligation or liability already acquired, accrued or incurred, or any remedy or proceeding in respect thereof, or any release or discharge of or from any debt, penalty, obligation, liability, claim or demand, or any indemnity already granted, or the proof of any past act or thing;

(c) affect any principle or rule of law, or established jurisdiction, form or course of pleading, practice or procedure, or existing usage, custom, privilege, restriction, exemption, office or appointment, notwithstanding that the same respectively may have been in any manner affirmed or recognised or derived by, in or from any enactment hereby repealed;

(d) revive or restore any jurisdiction, office, custom, liability, right, title, privilege, restriction, exemption, usage, practice, procedure or other matter or thing not now existing or in force.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

The Uttar Pradesh Prohibition of Smoking (Cinema Houses) Act, 1952 has been enacted to prohibit smoking in cinema houses situated in Uttar Pradesh. It has been observed that there are sufficient provisions in the Cigarettes and other Tobacco Products (Prohibition of Advertisement and Regulation of Trade and Commerce, Production, Supply and Distribution)
Act, 2003 and in rule 20 of the Uttar Pradesh Cinematograph Rules, 1951 to prohibit smoking in multiplexes and cinema houses.

In view of the above, there is no relevance and utility of the aforesaid Act of 1952 in the present times. Therefore, it has been decided to repeal the Uttar Pradesh Prohibition of Smoking (Cinema Houses) Act, 1952.

The Uttar Pradesh Prohibition of Smoking (Cinema House) (Repeal) Bill, 2021 is introduced accordingly.

By order,
ATUL SRIVASTAVA,
Pramukh Sachiv.